महास्वामिपादाष्टोत्तरशतनामावलिः

१. ओं श्रीकाञ्चीकामकोटिपीठाधीश्वराय नमः
२. ,, श्रीचन्द्रशेखरेन्द्रसरस्वतीगुरुभ्यो ,,
३. ,, सन्यासाश्रमशिखराय ,,
४. ,, काषायदण्डधारिणे ,,
५. ,, सर्वपीडापहारिणे ,,
६. ,, स्वामिनाथगुरवे ,,
७. ,, करुणासागराय ,,
८. ,, जगदाकर्षणशक्तिमते ,,
९. ,, सर्वचराचरहृदयस्थाय ,,
१०. ,, भक्तपरिपालकश्रेष्ठाय ,,
११. ,, धर्मपरिपालकाय ,,
१२. ,, श्रीजयेन्द्रसरस्वत्याचार्याय ,,
१३. ,, श्रीविजयेन्द्रसरस्वतीपूजिताय ,,
१४. ,, शिवशक्तिस्वरूपाय ,,
१५. ,, भक्तजनप्रियाय ,,
१६. ,, ब्रह्मविष्णुशिवैक्यस्वरूपाय ,,
१७. ,, काञ्चीक्षेत्रवासाय ,,
१८. ,, कैलासशिखरवासाय ,,
१९. ,, स्वधर्मपरिपोषकाय ,,
२०. ,, चातुर्वर्ण्यसंरक्षकाय ,,

२१. ओं लोकरक्षणसङ्कल्पाय नमः
२२. ,, ब्रह्मनिष्ठापराय ,,
२३. ,, सर्वपापहराय ,,
२४. ,, धर्मरक्षणसन्तुष्टाय ,,
२५. ,, भक्तार्पितधनस्वीकर्त्रे ,,
२६. ,, सर्वोपनिषत्सारज्ञाय ,,
२७. ,, सर्वशास्त्रगम्याय ,,
२८. ,, सर्वलोकपितामहाय ,,
२९. ,, भक्ताभीष्टप्रदायकाय ,,
३०. ,, ब्रह्मण्यपोषकाय ,,
३१. ,, नानाविधपुष्पार्चितपदाय ,,
३२. ,, रुद्राक्षकिरीटधारिणे ,,
३३. ,, भस्मोद्धूलितविग्रहाय ,,
३४. ,, सर्वज्ञाय ,,
३५. ,, सर्वचराचरव्यापकाय ,,
३६. ,, अनेकशिष्यपरिपालकाय ,,
३७. ,, मनश्चाञ्चल्यनिवर्तकाय ,,
३८. ,, अभयहस्ताय ,,
३९. ,, भयापहाय ,,
४०. ,, यज्ञपुरुषाय ,,
४१. ,, यज्ञानुष्ठानरुचिप्रदाय ,,
४२. ,, यज्ञसंपन्नाय ,,
४३. ,, यज्ञसहायकाय ,,

४४. ओं यज्ञफलदाय नमः
४५. ,, यज्ञप्रियाय ,,
४६. ,, उपमानरहिताय ,,
४७. ,, स्फटिकतुलसीरुद्राक्षहारधारिणे ,,
४८. ,, चातुर्वर्ण्यसमदृष्टये ,,
४९. ,, ऋग्यजुस्सामाथर्वणचतुर्वेदसंरक्षकाय ,,
५०. ,, दक्षिणामूर्तिस्वरूपाय ,,
५१. ,, जाग्रत्स्वप्न सुषुप्त्यवस्थातीताय ,,
५२. ,, कोटिसूर्यतुल्यतेजोमय शरीराय ,,
५३. ,, साधुसङ्घसंरक्षकाय ,,
५४. ,, अश्वगजगोपूजानिर्वर्तकाय ,,
५५. ,, गुरुपादुकापूजाधुरन्धराय ,,
५६. ,, कनकाभिषिक्ताय ,,
५७. ,, स्वर्णबिल्वदलपूजिताय ,,
५८. ,, सर्वजीवमोक्षदाय ,,
५९. ,, मूकवाग्दाननिपुणाय ,,
६०. ,, नेत्रदीक्षादानाय ,,
६१. ,, द्वादशलिंगस्थापकाय ,,
६२. ,, गानरसज्ञाय ,,
६३. ,, ब्रह्मज्ञानोपदेशकाय ,,
६४. ,, सकलकलासिद्धिदाय ,,
६५. ,, चातुर्वर्ण्यपूजिताय ,,
६६. ,, अनेकभाषासंभाषणकोविदाय ,,

5

६७. ओं अष्टसिद्धि प्रदायकाय नमः
६८. ,, श्री शारदामठसुस्थिताय ,,
६९. ,, नित्यान्नदानसुप्रीताय ,,
७०. ,, प्रार्थनामात्रसुलभाय ,,
७१. ,, पादयात्राप्रियाय ,,
७२. ,, नानाविधमत पण्डिताय ,,
७३. ,, श्रुतिस्मृतिपुराणज्ञाय ,,
७४. ,, देवयक्षकिन्नर किंपुरुषपूज्याय ,,
७५. ,, श्रवणानन्दकरकीर्तये ,,
७६. ,, दर्शनानन्दाय ,,
७७. ,, अद्वैतानन्दभरिताय ,,
७८. ,, अव्याजकरुणामूर्तये ,,
७९. ,, शैववैष्णवादिमान्याय ,,
८०. ,, शङ्कराचार्याय ,,
८१. ,, दण्ड कमण्डलुहस्ताय ,,
८२. ,, वीणामृदङ्गादि सकलवाद्यनादस्वरूपाय ,,
८३. ,, रामकथारसिकाय ,,
८४. ,, वेदवेदाङ्गागमादि सकलकला-
सद:प्रवर्तकाय ,,
८५. ,, हृदयगुहाशयाय ,,
८६. ,, शतरुद्रीयवर्णितस्वरूपाय ,,
८७. ,, केदरेश्वरनाथाय ,,
८८. ,, अविद्यानाशकाय ,,

6

16

८९. ओं निष्काम कर्मोपदेशकाय नमः
९०. ,, लघुभक्तिमार्गोपदेशकाय ,,
९१. ,, लिङ्गस्वरूपाय ,,
९२. ,, सालग्रामसूक्ष्मस्वरूपाय ,,
९३. ,, कालट्यां शङ्करकीर्तिस्तम्भ निर्माणकर्त्रे ,,
९४. ,, जितेन्द्रियाय ,,
९५, ,, शरणागतवत्सलाय ,,
९६. ,, श्रीशैलशिखरवासाय ,,
९७. ,, डमरुकनादविनोदाय ,,
९८. ,, वृषभारूढाय ,,
९९. ,, दुर्मतनाशकाय ,,
१००. ,, आभिचारिकदोषहर्त्रे ,,
१०१. ,, मिताहाराय ,,
१०२. ,, मृत्युविमोचनशक्ताय ,,
१०३. ,, श्रीचक्रार्चनतत्पराय ,,
१०४. ,, दासानुग्रहकारकाय ,,
१०५. ,, अनुराधानक्षत्र जाताय ,,
१०६. ,, सर्वलोकख्यातशीलाय ,,
१०७. ,, वेङ्कटेश्वरचरणपद्मषट्पदाय ,,
१०८. ,, श्रीत्रिपुरसुन्दरीसमेतश्री-
चन्द्रमौलीश्वरपूजाप्रियाय ,,

इति श्रीकाञ्चीकामकोटिपीठाधीश्वर शङ्कराचार्य श्री चन्द्रशेखरेन्द्रसरस्वती
अष्टोत्तरशतनामावलिः संपूर्णा

